राजस्थान बोर्ड परीक्षा (RBSE) 2025

अर्थशास्त्र हल प्रश्नपत्र (SS-10- Economics- Solution)

Exam Date- 18/03/2025

Sl.No. : 050079

नामांक Roll No. 2 2

No. of Questions – 20
No. of Printed Pages – 11

SS-10-Economics

Tear Here

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2025

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2025

अर्थशास्त्र

ECONOMICS

समय : 3 घण्टे 15 मिनिट

पूर्णांक : 80

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें
TEAR HERE TO OPEN THE QUESTION PAPER

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

GENERAL INSTRUCTIONS TO THE EXAMINEES :

1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।

Candidates must write first his / her Roll No. on the question paper compulsorily.

2) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

All the questions are compulsory.

3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें।

Write the answer to each question in the given answer-sheet only.

यहाँ से काटिए

SS–10–Economics 7006 [Turn Over

2

4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।

For questions having more than one part, the answers to those parts are to be written together in continuity.

5) प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

Write down the serial number of the question before attempting it.

6) प्रश्न पत्र के हिन्दी व अंग्रेजी रूपान्तर में किसी प्रकार की त्रुटि / अन्तर / विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही मानें।

If there is any kind of error / difference / contradiction in the Hindi & English versions of the question paper, the question of Hindi version should be treated valid.

7) प्रश्न क्रमांक **14** से **20** में आन्तरिक विकल्प हैं। किसी एक विकल्प को हल कीजिए।

Question Nos. **14** to **20** have the internal option. Attempt any one option.

SS–10–Economics 7006

खण्ड – अ
SECTION - A

1) बहुविकल्पी प्रश्न :
Multiple choice questions:

i) 'जनरल थ्योरी ऑफ इंप्लायमेंट, इंटरेस्ट एंड मनी' पुस्तक के लेखक है – [1]
अ) कीन्स ब) रिकार्डो
स) एडम स्मिथ द) जे.के. मेहता
The author of the book 'General theory of employment, interest and money' is -
A) Keynes B) Ricardo
C) Adam Smith D) J.K. Mehta

ii) निम्न में से कौन–सा समष्टि अर्थशास्त्र में निर्णयकर्ता नहीं हो सकता? [1]
अ) राज्य ब) भारतीय रिजर्व बैंक
स) उपभोक्ता द) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड
Which of the following could not be decision maker in macro economics?
A) State
B) Reserve Bank of India
C) Consumer
D) Securities and Exchange Board of India

iii) अंतिम शरण ऋणदाता कहलाता है – [1]
अ) व्यापारिक बैंक ब) केन्द्रीय बैंक
स) निजी बैंक द) सहकारी बैंक
The lender of last resort is called -
A) Commercial bank B) Central bank
C) Private bank D) Co-operative bank

iv) निम्न में से कौन–सी परिसम्पत्ति मुद्रा के अतिरिक्त मूल्य संचय का कार्य कर सकती है? [1]
अ) सोना ब) भूमि
स) बंधपत्र द) उपरोक्त सभी
Which of the following asset other than money can also act as a store of value?
A) Gold B) Land
C) Bonds D) All of the above

v) आय का वह भाग जो उपयोग नहीं किया गया, कहलाता है – [1]

अ) बचत ब) उपयोग प्रवृत्ति
स) विनिवेश द) मूल्यह्रास

The part of income that is not consumed, is called -

A) Saving B) Consumption propensity
C) Disinvestment D) Depreciation

vi) उपयोग माँग का सबसे महत्वपूर्ण निर्धारक है – [1]

अ) बचत ब) उपयोग
स) घरेलू आय द) निवेश

The most important determinant of consumption demand is -

A) Saving B) Consumption
C) Household income D) Investment

vii) निम्न में से कौन–सा प्रत्यक्ष कर है? [1

अ) सम्पत्ति कर ब) उत्पाद कर
स) सीमा शुल्क द) सेवा कर

Which of the following is direct tax?

A) Wealth tax B) Excise tax
C) Custom duty D) Service tax

viii) सार्वजनिक वस्तुओं का उदाहरण है – [1

अ) राष्ट्रीय सुरक्षा ब) सड़के
स) सरकारी प्रशासन द) उपरोक्त सभी

Example of public goods is -

A) National security B) Roads
C) Government administration D) All of the above

ix) निम्न में से कौन–सा देश और उसकी मुद्रा का गलत युग्म है? [1

अ) जापान–येन ब) भारत–रुपया
स) ब्रिटेन–लीरा द) संयुक्त राज्य अमेरिका–डॉलर

Which of the following is an incorrect pair of country and its currency?

A) Japan - Yen B) India - Rupee
C) Britain - Leera D) United State of America - Dollar

x) निम्न में से कौन–सा टैरिफ से संबंधित है? [

अ) विशेष आर्थिक क्षेत्र ब) व्यापार अवरोधक
स) व्यापार सहायिका द) मुक्त व्यापार

Which of the following is related to tariff?

A) Special Economic Zone B) Trade barrier
C) Trade subsidy D) Free trade

www.theeconomicsguru.com

xi) बाजार अर्थव्यवस्था में सभी क्रियाक्लापां का निर्धारण होता है – [1]

अ) बाजार द्वारा ब) उपभोक्ता द्वारा

स) उत्पादक द्वारा द) सरकार द्वारा

All the economic activities are determined in market economy by -

A) Market B) Consumer

C) Producer D) Government

xii) विभिन्न बाजारों का अध्ययन संबंधित है – [1]

अ) व्यष्टि अर्थशास्त्र से ब) समष्टि अर्थशास्त्र से

स) व्यष्टि और समष्टि दोनों से द) इनमें से कोई नहीं

Study of various markets is related to -

A) Micro economics B) Macro economics

C) Both micro and macro D) None of the above

xiii) बजट रेखा का समीकरण है – [1]

अ) $M = P_1x_2 + P_2x_1$ ब) $M = P_1x_2 \div P_2x_1$

स) $M = P_1x_1 \div P_2x_2$ द) $M = P_1x_1 + P_2x_2$

Equation of budget line is -

A) $M = P_1x_2 + P_2x_1$ B) $M = P_1x_2 \div P_2x_1$

C) $M = P_1x_1 \div P_2x_2$ D) $M = P_1x_1 + P_2x_2$

xiv) निम्न में से कौन–सा वस्तु की माँग का निर्धारक है? [1]

अ) वस्तु की कीमत ब) उपभोक्ता की रुचि

स) उपभोक्ता के अधिमान द) उपरोक्त सभी

Which of the following is a determinant of demand for a good?

A) Price of good B) Consumer taste

C) Consumer preference D) All of these

xv) निम्न में से कौन–सा वक्र आयताकार अतिपरवलय आकृति का होता है? [1]

अ) औसत परिवर्ती लागत वक्र ब) कुल स्थिर लागत वक्र

स) औसत स्थिर लागत वक्र द) कुल परिवर्ती लागत वक्र

Which of the following curve has rectangular hyperbola shape?

A) Average variable cost curve B) Total fixed cost curve

C) Average fixed cost curve D) Total variable cost curve

xvi) कुल लागत और कुल परिवर्ती लागत के मध्य अंतर होता है – [1]

अ) औसत लागत के बराबर ब) कुल स्थिर लागत के बराबर

स) सीमान्त लागत के बराबर द) औसत स्थिर लागत के बराबर

Difference between total cost and total variable cost is equal to -

A) Average cost B) Total fixed cost

C) Marginal cost D) Average fixed cost

xvii) पूर्ण प्रतियोगिता की एक सर्वाधिक प्रतिष्ठित विशेषता है – [1]

अ) वस्तु विभेद ब) एक फर्म का कीमत स्वीकारक व्यवहार

स) अतिरेक लाभ द) कीमत दृढ़ता

The single most distinguishing characteristic of perfect competition is -

A) Goods discrimination B) Price taking behaviour of a firm

C) Excess profit D) Price rigidity

xviii) यदि माँग तथा पूर्ति वक्र दोनों दायीं ओर शिफ्ट हों तो संतुलन कीमत में – [1]

अ) वृद्धि होगी ब) कमी होगी

स) अपरिवर्तित रहेगी द) उपरोक्त में से कोई भी

If demand and supply curves both shift to the right, the equilibrium price will -

A) Increase B) Decrease

C) Remain unchanged D) Any of the above

2) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

Fill in the blanks :

i) मुद्रा .... का एक सर्वमान्य माध्यम है। [1]

Money is the commonly accepted as medium of _______.

ii) .... फलन आय तथा उपयोग में संबंध की व्याख्या करता है। [1]

_______ function describe the relation between consumption and income.

iii) अन्तर्राष्ट्रीय लेन देन में स्थिरता लाने के लिए .... की स्थापना की गई। [1]

The _______ has been setup to ensure stability in international transactions.

iv) .... अर्थव्यवस्था का निकटतम उदाहरण चीन है। [1]

The closest example of a _______ economy is the China.

v) आगम का लागत पर आधिक्य .... कहलाता है। [1]

The excess of revenue over cost is called _______.

vi) फर्मों के निर्बाध प्रवेश तथा बर्हिगमन से अभिप्राय है कि बाजार कीमत सदैव .... के बराबर होगी। [1]

Free entry and exit of the firm implies that the market price will always be equal to ________.

3.अति लघुत्तरात्मक प्रश्न

i. **महामंदी का यूरोप और उत्तरी अमेरिका पर क्या प्रभाव पड़ा था?** **(1)**

उत्तर: महामंदी ने यूरोप और उत्तरी अमेरिका में व्यापक आर्थिक और सामाजिक संकट पैदा किया, जिससे बेरोजगारी बढ़ी, औद्योगिक उत्पादन गिरा, और कई देशों में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ी.

ii. **डिजिटल सौदों का कोई एक माध्यम लिखिए।** **(1)**

उत्तर: E- बैंकिंग

iii. **सीमांत उपभोग प्रवृत्ति से आप क्या समझते हैं?** **(1)**

उत्तर: सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC) बताती है कि आय में किसी भी अतिरिक्त वृद्धि का कितना हिस्सा उपभोग पर खर्च किया जाता है

iv. **निवेश कों समझाइए।** **(1)**

उत्तर: निवेश आय का वह भाग है जो वास्तविक पूंजी निर्माण के लिये खर्च किया जाता है।

v. **निर्गत गुणक की गणना का सूत्र लिखिए।** (1)

उत्तर: K = 1/ 1- MPC

vi. **वार्षिक वित्तीय ब्योरे का आशय स्पष्ट कीजिए।** (1)

उत्तर: राष्ट्रपति प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में संसद के दोनों सदनों के समक्ष उस वर्ष के लिए भारत सरकार की अनुमानित प्राप्तियों और व्यय का विवरण रखवाएगा, जिसे इस भाग में "वार्षिक वित्तीय विवरण" कहा गया है।

vii. **विदेशी विनिमय बाजार से क्या आशय है?** (1)

उत्तर: विदेशी विनिमय बाजार (या फॉरेक्स/FX) एक विकेंद्रीकृत वैश्विक बाजार है जहाँ दुनिया भर की मुद्राएँ एक-दूसरे के मुकाबले खरीदी और बेची जाती हैं

viii. **अर्थव्यवस्था की कोई एक केन्द्रीय समस्या लिखिए।** (1)

उत्तर: क्या उत्पादन किया जाये ?

ix. **उत्पादन फलन क्या है?** (1)

उत्तर: उत्पादन के साधन और उत्पादन मात्रा के बीच सम्बन्ध को उत्पादन फलन कहते कहते है।

x. **सीमांत उपयोगिता से आपका क्या आशय है?** **(1)**

उत्तर: सीमांत उपयोगिता (Marginal Utility) का अर्थ है किसी वस्तु या सेवा की एक अतिरिक्त इकाई के उपभोग से उपभोक्ता को मिलने वाली अतिरिक्त संतुष्टि या लाभ.

xi. **पूर्ण प्रतिस्पर्धा बाजार में अधिपूर्ति का अर्थ समझाइए।** **(1)**

उत्तर: पूर्ण प्रतिस्पर्धा बाजार में, यदि किसी कीमत पर बाजार में आपूर्ति, मांग से अधिक होती है, तो उसे अधिपूर्ति कहते हैं।

xii. **पूर्ण प्रतिस्पर्धा बाजार क्या है?** **(1)**

उत्तर: पूर्ण प्रतिस्पर्धा बाजार एक ऐसी सैद्धांतिक बाजार संरचना है जहाँ अनेक खरीदार और विक्रेता होते हैं, उत्पाद समरूप होते हैं, और कोई भी विक्रेता या खरीदार बाजार की कीमतों को प्रभावित नहीं कर सकता

खंड व

लघुत्तरात्मक प्रश्न

4.आपके अनुसार पूँजीवादी अर्थव्यवस्था के कोई दो प्रमुख लक्षण बताइए। (2)

उत्तर: पूंजीवादी अर्थव्यवस्था की विशेषताएं

निजी संपत्ति का अधिकार: निजी संपत्ति जैसे कि संपत्ति, कारखाने, मशीनें, संयंत्र आदि निजी व्यक्तियों और कंपनियों के स्वामित्व में हो सकते हैं।

मूल्य तंत्र: आपूर्ति और मांग की ताकतें अर्थव्यवस्था में कीमतों और उत्पादन के स्तर को निर्धारित करेंगी।

5. यदि उपभोग फलन C=40+0.75Y तथा निवेश I= 10 करोड़ रुपए हो तो प्रत्याशित समस्त मांग का मूल्य ज्ञात कीजिए। (2)

उत्तर:

6. सरकार बजट द्वारा स्थिरीकरण कार्य कैसे करती है? विवेचना कीजिए। (2)

उत्तर: सरकार, बजट के माध्यम से स्थिरीकरण कार्य (stabilization function) करके आर्थिक उतार-चढ़ाव को कम करने और स्थिरता लाने का प्रयास करती है। यह राजकोषीय नीति (fiscal policy) के उपयोग से, जैसे कि खर्च और करों में बदलाव करके, समग्र मांग को नियंत्रित कर सकती है।

7. नीचे दी गई अदायगी संतुलन तालिका में अज्ञात मान ज्ञात कीजिए- (2)

S.No.	Items	Value (In million $)
1	निर्यात (Export)	160
2	आयात (Import)	240
3	व्यापार संतुलन (Trade Balance)	?
4	अदृश्य मद (Invisibles)	50
5	चालू खाते का शेष (Current Balance)	?

8. अवमूल्यन और पुनर्मूल्यांकन में भेद कीजिए। (2)

आधार	अवमूल्यन	पुनर्मूल्यांकन
अर्थ:	अवमूल्यन का मतलब है कि सरकार जानबूझकर अपनी मुद्रा का मूल्य कम करती है, जिससे वह विदेशी मुद्राओं के मुकाबले सस्ती हो जाती है	पुनर्मूल्यांकन का मतलब है कि सरकार जानबूझकर अपनी मुद्रा का मूल्य बढ़ाती है, जिससे वह विदेशी मुद्राओं के मुकाबले महंगी हो जाती है
प्रभाव:	वमूल्यन से निर्यात सस्ता हो जाता है, जिससे अन्य देशों में भारतीय उत्पादों की मांग बढ़ जाती है	पुनर्मूल्यांकन से निर्यात महंगा हो जाता है, जिससे अन्य देशों में भारतीय उत्पादों की मांग कम हो सकती है.

9. सकारात्मक आर्थिक विश्लेषण तथा आदर्शक की विवेचना कीजिए। (2)

उत्तर: **सकारात्मक आर्थिक विश्लेषण (Positive Economic Analysis):**

- यह विश्लेषण अर्थव्यवस्था की वास्तविक स्थिति, तथ्यों और आंकड़ों का अध्ययन करता है।
- यह "जैसे है" दृष्टिकोण पर आधारित होता है, जो वर्तमान में क्या हो रहा है, इसका वर्णन करता है।

आदर्शक आर्थिक विश्लेषण (Normative Economic Analysis):

- यह विश्लेषण अर्थव्यवस्था कैसी होनी चाहिए, इस पर केंद्रित होता है।
- यह "जैसे होना चाहिए" (as it should be) दृष्टिकोण पर आधारित होता है, जो नैतिक और सामाजिक मूल्यों के आधार पर निर्णय लेता है।

10. उपयोगिता क्या है? एक उदाहरण की सहायता से समझाए। (2)

उत्तर: उपयोगिता किसी वस्तु या सेवा से उपभोक्ता को मिलने वाली संतुष्टि या लाभ की माप है,

उदाहरण के लिए, जब आप भूख लगने पर खाना खाते हैं तो आपको जो संतुष्टि मिलती है, वह उस खाने की उपयोगिता है।

11. श्रम के कुल उत्पादन वक्र का रेखाचित्र बनाए। (2)

उत्तर: श्रम के कुल उत्पादन वक्र (Total Product Curve of Labour) एक ऐसा ग्राफ है जो श्रम की विभिन्न मात्राओं के साथ उत्पादन के कुल स्तर के बीच संबंध को दर्शाता है, जबकि अन्य सभी कारक स्थिर रहते हैं।

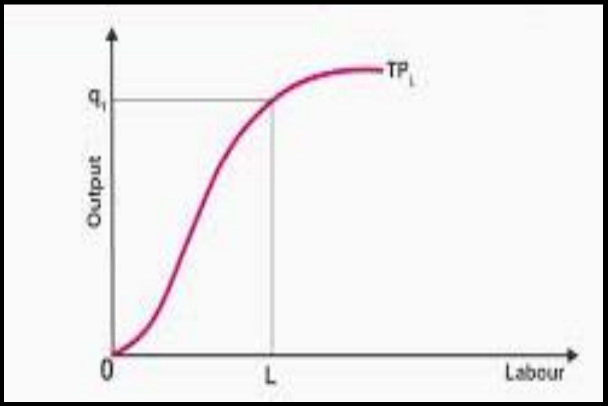

12. औसत उत्पादन और सीमांत उत्पादन में भेद कीजिए। (2)

उत्तर:

आधार	औसत उत्पादन	सीमांत उत्पादन
परिभाषा:	औसत उत्पादन (AP) उत्पादन की प्रति इकाई औसत आउटपुट को दर्शाता है.	सीमांत उत्पादन (MP) एक अतिरिक्त इनपुट इकाई (जैसे, एक और कर्मचारी, मशीन आदि) के उपयोग से कुल उत्पादन में होने वाले परिवर्तन को दर्शाता है.
गणना:	AP की गणना कुल उत्पादन (कुल आउटपुट) को कुल इनपुट की इकाइयों से विभाजित करके की जाती है.	MP की गणना कुल उत्पादन में परिवर्तन को इनपुट में परिवर्तन से विभाजित करके की जाती है.

13. एक फर्म के कुल संप्राप्ति का रेखाचित्र बनाए। (2)

उत्तर: एक फर्म का कुल संप्राप्ति (Total Revenue) वक्र, उत्पादन की मात्रा में वृद्धि के साथ, एक सीधी रेखा के रूप में दर्शाया जाता है, जो मूल बिंदु से शुरू होकर ऊपर की ओर बढ़ती है

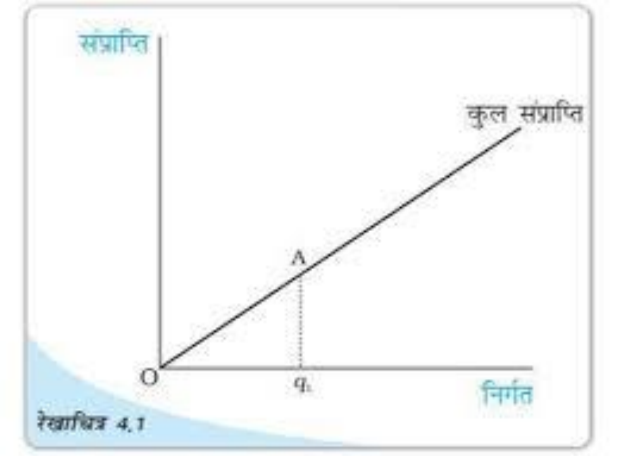

रेखाचित्र 4.1

खंड स

दीर्घ उत्तरात्मक का प्रश्न:

14. निम्नलिखित बुनियादी राष्ट्रीय आय समुच्चयों का विश्लेषण कीजिए। (3)

i. **बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP mp)-** किसी देश की सीमाओं के भीतर, एक निश्चित अवधि में उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के बाजार मूल्य का कुल योग है, जिसमें उत्पादन और आयात पर कर शामिल होते हैं और सब्सिडी को घटाया जाता है।

ii. **साधन लागत पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP fc)** किसी देश की घरेलू सीमा के भीतर, एक लेखा वर्ष में, सामान्य निवासियों द्वारा मजदूरी, लाभ, ब्याज आदि के रूप में अर्जित आय का कुल योग, जिसमें पूंजी उपभोग (घिसावट) भी शामिल है

iii. **बाजार कीमत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद (NDPmp)-** किसी देश की घरेलू सीमा में, एक वर्ष में सभी उत्पादकों द्वारा उत्पादित अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के बाजार मूल्य में से स्थिर पूंजी के उपभोग (depreciation) को घटाकर प्राप्त होता है.

अथवा

निम्नलिखित अवधारणाओं का विश्लेषण कीजिए

i. **निवल निवेश (Net Investment)-** निवल निवेश" का अर्थ है, पूंजीगत परिसंपत्तियों (जैसे कि मशीनरी, उपकरण) में निवेश करने के बाद, उन परिसंपत्तियों के मूल्यह्रास (wear and tear) को घटाने के बाद जो राशि बचती है

ii. **मूल्य ह्रास (Depreciation)-** मूल्यह्रास का अर्थ है किसी संपत्ति के मूल्य में समय के साथ कमी आना, जो उपयोग, उम्र या तकनीकी उन्नति के कारण हो सकता है।

iii. **मध्यवर्ती वस्तुएँ (Intermediate Goods)-** मध्यवर्ती वस्तुएँ वे उत्पाद हैं जिनका इस्तेमाल उत्पादन की प्रक्रिया में कच्चे माल या अन्य वस्तुओं के निर्माण में किया जाता है, जैसे कि इस्पात, लकड़ी, या कार के पुर्जे.

15. योजनागत व्यय और गैर योजनागत व्यय क्या होता है? (3)

उत्तर: **योजनागत व्यय (Plan Expenditure):**

- यह व्यय नई योजनाओं या कार्यक्रमों को शुरू करने या मौजूदा योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए किया जाता है.
- यह आमतौर पर पंचवर्षीय योजनाओं (FYP) के दौरान निर्धारित होता है.
- उदाहरण के लिए, किसी नए सड़क निर्माण या स्कूल बनाने के लिए किया गया खर्च योजनागत व्यय होता है.

गैर-योजनागत व्यय (Non-Plan Expenditure):

- यह व्यय पिछली पंचवर्षीय योजना अवधि से आगे बढ़ाई गई योजनाओं से उत्पन्न होता है.
- यह व्यय सरकार के नियमित कामकाज और सेवाओं को बनाए रखने के लिए किया जाता है.
- उदाहरण के लिए, कर्मचारियों का वेतन, पेंशन, ब्याज का भुगतान, या रक्षा पर खर्च गैर-योजनागत व्यय में आते हैं.

अथवा

राजस्व और पूंजीगत वैसे क्या आशय है? समझाइए।

उत्तर: **राजस्व व्यय (Revenue Expenditure):**

ये वे खर्च होते हैं जो किसी व्यवसाय या सरकार के दैनिक संचालन को बनाए रखने के लिए किए जाते हैं. ये खर्च नियमित और अल्पकालिक होते हैं, और इनसे तुरंत लाभ मिलता है.

उदाहरण: वेतन, बिजली बिल, किराया, रखरखाव और मरम्मत, विज्ञापन आदि.

पूंजीगत व्यय (Capital Expenditure):

ये वे खर्च होते हैं जो दीर्घकालिक संपत्ति (जैसे कि मशीनरी, भवन, भूमि) की खरीद या सुधार के लिए किए जाते हैं. ये खर्च दीर्घकालिक होते हैं और इनसे भविष्य में लाभ मिलता है.

उदाहरण: नई मशीनरी की खरीद, भवन का निर्माण, भूमि की खरीद आदि.

16. **उपभोक्ता के इष्टतम चयन को रेखाचित्र की सहायता से समझाइए।** (3)

उत्तर: उपभोक्ता के इष्टतम चयन को रेखाचित्र से समझने के लिए, हम बजट रेखा (Budget Line) और उदासीनता वक्र (Indifference Curve) का प्रयोग करते हैं। इष्टतम बिंदु वह है जहाँ बजट रेखा किसी उदासीनता वक्र को स्पर्श करती है, अर्थात उपभोक्ता अपनी आय के भीतर अधिकतम संतुष्टि प्राप्त करता है।

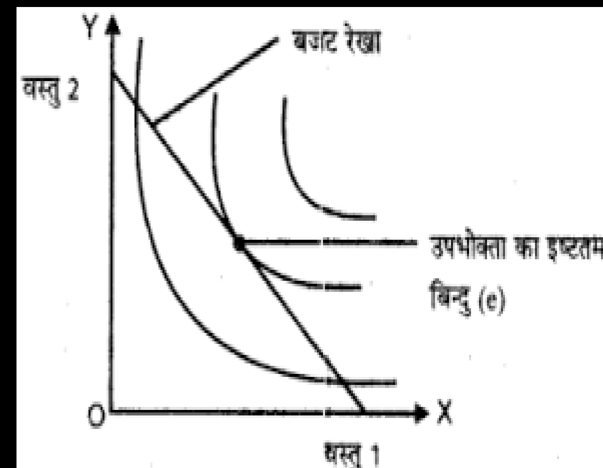

अथवा

मांग के नियम को एक रेखाचित्र की सहायता से स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: मांग का नियम (Law of Demand) बताता है कि, अन्य सभी कारक स्थिर रहने पर, किसी वस्तु की कीमत बढ़ने पर उसकी मांग कम हो जाती है और कीमत घटने पर मांग बढ़ जाती है। इसे एक नकारात्मक ढलान वाले मांग वक्र (Demand Curve) से दर्शाया जाता है.

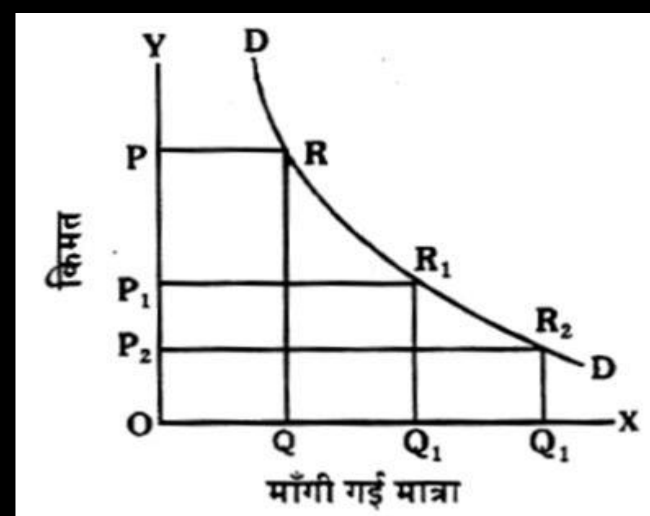

17. निम्न तालिका में एक प्रतिस्पर्धी फर्म की कुल लागत (TC) को दर्शाया गया है वस्तु की कीमत ₹10 दी हुई है उत्पादन के प्रत्येक स्तर पर लाभ की गणना कीजिए (3)

Output Level	TOTAL COST (₹)	Profit (₹)
1	15	
2	22	
3	27	
4	31	
5	38	
6	46	

अथवा

निम्न तालिका में दो फर्मों की पूर्ति सारणियां SS1 और SS2 दी गई है बाजार पूर्ति सारणी का परिकलन कीजिए

Price level	Firm I Supply (SS1)	Firm II Supply (SS2)	Market Supply
1	5	7	
2	7	11	
3	10	15	
4	15	20	
5	18	26	
6	25	33	

खण्ड द

निबंधात्मक प्रश्न

18. मुद्रा पूर्ति नियंत्रण के लिए रिज़र्व बैंक द्वारा अपनाए जाने वाले नीतिगत उपकरणों का विश्लेषण कीजिए। (4)

उत्तर: मुद्रा पूर्ति नियंत्रण के लिए रिज़र्व बैंक द्वारा अपनाए जाने वाले नीतिगत उपकरणों

परिमाणात्मक/ मात्रात्मक साख नियंत्रण

1. बैंक दर नीति
2. खुले बाजार की क्रियाएं
3. नकद कोष अनुपात
4. सांविधिक तरलता अनुपात

गुणात्मक/ चयनात्मक साख नियंत्रण

1. सीमांत आवशयकताओं या मार्जिन में परिवर्तन
2. साख की राशनिंग
3. उपभोक्ता साख पर नियंत्रण
4. प्रत्यक्ष कार्यवाही

(एक एक लाइन में सभी बिन्दुओं की व्याख्या जरुर करें)

अथवा

भारतीय अर्थव्यवस्था में डिजिटल सौदों की प्रगति पर अपना विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर: भारतीय अर्थव्यवस्था में डिजिटल सौदों (डिजिटल ट्रांजैक्शन) की प्रगति उल्लेखनीय है, जो डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दे रही है और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। 2030 तक डिजिटल अर्थव्यवस्था के राष्ट्रीय आय का लगभग 20% योगदान करने का अनुमान है.

डिजिटल अर्थव्यवस्था का विकास:

- **आर्थिक वृद्धि:**
  2014 से 2019 के बीच, भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 15.6% रही है, जो समग्र भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि से 2.4 गुना अधिक है.
- **जीडीपी में योगदान:**
  2019 में, डिजिटल रूप से निर्भर अर्थव्यवस्था का जीडीपी में लगभग 22% हिस्सा होने का अनुमान है.
- **रोजगार:**
  2022-23 में, डिजिटल अर्थव्यवस्था में 14.67 मिलियन कर्मचारी थे, जो भारत के कार्यबल का 2.55% है.

19. बाजार मांग से क्या आशय है? बाजार मांग वक्र की व्युत्पत्ति को रेखाचित्र की सहायता से समझाइए। (4)

उत्तर: <u>बाजार मांग (Market Demand)</u>

एक वस्तु की वह मात्रा जिसे बाजार में उपस्थित सभी उपभोक्ता दी गई संभव अवधि में प्रत्येक संभव कीमत पर खरीदने को इच्छुक और समर्थ है। बाजार मांग कहलाता है।

बाजार मांग वक्र

जो वक्र वस्तुओं की विभिन्न कीमतों पर समूचे बाजार की मांग को बताता है उसे बाजार मांगकर कहते हैं।

चित्र

प्रति इकाई कीमत (₹)	X की मांग	Y की मांग	बाजार मांग (X+Y)
10	10	5	10+5=15
8	20	10	20+10=30
6	30	15	30+15=45
4	40	20	40+20=60
2	50	25	50+25=75

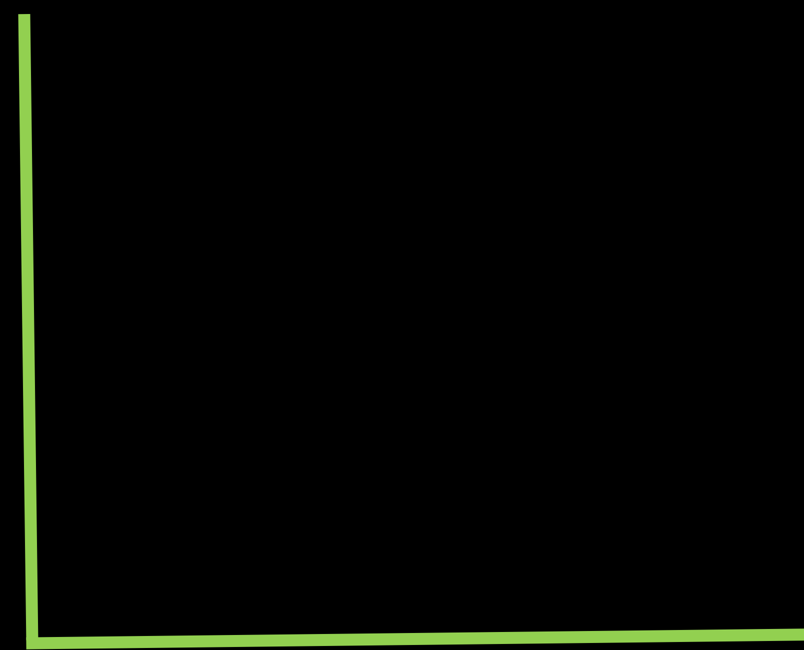

अथवा

मांग वक्र शिफ्ट क्यों होता है? मांग वक्र में शिफ्ट और मांग वक्र की दिशा में गति को रेखाचित्र से स्पष्ट किए।

उत्तर: मांग वक्र के खिसकाव का अर्थ है मांग वक्र का अपनी आरंभिक स्थिति से बाईं या दाईं ओर खिसक जाना। जब वस्तु की कीमत सामान रहें अर्थात वस्तुओं की कीमत में कोई परिवर्तन न होने पर भी अन्य कारणों के कारण जब मांग में परिवर्तन होता है तो ऐसी स्थिति में मांग वक्र का खिसकाव उत्पन्न होता है।

इस प्रकार का परिवर्तन दो प्रकार से होता है:

मांग में वृद्धि (Increase in Demand): जब वस्तु की मांग में उसकी कीमतों के अलावा अन्य तत्वों जैसे आय, फैशन आदि में परिवर्तन होने से परिवर्तन होता है अर्थात वृद्धि होती है तो ऐसी स्थिति में मांग वक्र बाएँ से दाएँ ओर स्थानांतरित होता है। जिसे मांग में वृद्धि कहते हैं।

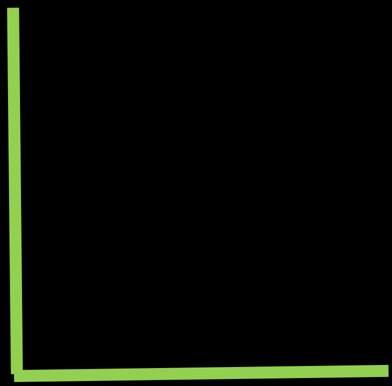

मांग में कमी (Decrease in Demand): जब वस्तु की कीमत के अतिरिक्त किन्हीं अन्य कारणों से उसी कीमत पर वस्तु की कम मात्रा या कम कीमत पर वस्तु की उतनी ही मात्रा खरीदी जाती है तो उसे मांग में कमी कहते हैं।
इस स्थिति में मांग वक्र दाएँ से बाएँ स्थानांतरित होता है तथा मांग वक्र नीचे की ओर स्थानांतरित होता है।

20. निम्न सारणी में कुल लागत से औसत लागत और सीमान्त लागत की गणना कीजिए (4)

Output	Total Cost	Average cost	Marginal cost
0	10		
1	18		
2	25		
3	30		
4	32		

अथवा

निम्न सारणी में कुल लागत और औसत परिवर्तन लागत की गणना कीजिए

OUTPUT	Total Variable Cost	Average Variable Cost	Total Cost
0	-		10
1	10		
2	18		
3	24		
4	28		

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

LIKE AND **SHARE** The Video

SUBSCRBE THE CHANNEL

THE ECONOMICS GURU

FOLLOW ME ON INSTAGRAM / @theeconomicsguru

FOLLOW ME ON FACEBOOK / NAKUL DHALI

For PDF visit my website: www.theeconomicsguru.com